अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–10 अंक–276 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ मंगलवार 4 जनवरी 2022 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

चाचा को मारने के लिए शख्स ने पूर्व जज के घर से चुराई पिस्टल, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ,(वेब वार्ता)। ओडिशा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आईएम कुद्दुसी के बेटे राहत कुद्दुसी के एक स्पेनिश लाइसेंस पिस्तौल चोरी करने के आरोप में घर में काम करने वाले नौकर को गिरफ्तार किया गया है। नौकर ने घर से दो मोबाइल फोन भी चोरी किए थे।आरोपी विशाल गिरी को उसके भाई रितेश गिरी के साथ गिरफ्तार किया गया है और उसके पास से पिस्टल और कारतूस बरामद किया गया है।विशाल ने पुलिस को बताया कि उसने बंदूक चुराई थी क्योंकि वह अपने चाचा को मारना चाहता था जिसने उसे अपमानित किया था।उन्होंने कहा, मैंने अपने भाई रितेश को भी अपराध में शामिल किया, जिन्होंने प्रयागराज में मेरे घर में हथियार छुपाने में मेरी मदद की।

आईआईटी कानपुर के एक प्रोफेसर ने कहा, कोरोना की तीसरी लहर अप्रैल में होगी खत्म

कानपुर (वेब वार्ता)। आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर मनिंद्र अग्रवाल ने कहा है कि कोरोना महामारी की तीसरी लहर अप्रैल तक खत्म हो जाएगी। हालांकि, वैज्ञानिक ने चेतावनी दी कि चुनाव के दौरान रैलियां कोरोना संक्रमण के लिए सुपर स्प्रेडर साबित हो सकती हैं, क्योंकि इस तरह की सभाओं में कोविड दिशा निदेशों का पालन करना आसान नहीं है। प्रोफेसर अग्रवाल ने कहा कि गाइडलाइंस का पालन किए बिना बड़ी संख्या में लोग चुनावी रैलियों में पहुंचते हैं तो संक्रमण का खतरा काफी हद तक बढ़ जाता है। ऐसे में सावधानी बरतने की जरूरत है। यदि रैलियां होती हैं, तो संक्रमण समय से पहले गति पकड़ सकता है। अपने गणितीय मॉडल के आधार पर महामारी की भविष्यवाणी करने वाले प्रोफेसर अग्रवाल के मुताबिक जनवरी में भारत में तीसरी लहर आएगी और मार्च में रोजाना 1.8 लाख मामले आ सकते हैं। उन्होंने कहा, यह राहत की बात होगी कि 10 में से 1 को ही अस्पताल की जरूरत होगी। मार्च के मध्य में दो लाख बेड की जरूरत होगी। उन्होंने आगे कहा कि अफ्रीका और भारत में 80 फीसदी आबादी 45 साल से कम उम्र की है। दोनों देशों में प्राकृतिक प्रतिरक्षा 80 प्रतिशत तक है। दोनों देशों में डेल्टा वेरिएंट म्यूटेंट के कारण हुआ है। उन्होंने दावा किया कि दक्षिण अफ्रीका की तरह भारत पर भी इसका बड़ा प्रभाव पड़ने की संभावना कम है।

लाइव प्रसारण का कार्यक्रम लोहिया कला भवन मे हुआ सम्पन्न

बृजेश पाण्डेय

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ का लाइव प्रसारण कार्यक्रम के अवसर पर

लोहिया कला भवन में आंगनबाड़ी कार्यकत्रीध्सहायिका सम्मेलन को प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ द्वारा उ0प्र0 के पूर्व राज्यपाल राम नाइक द्वारा लिखी गयी पुस्तक कर्मयोद्धा का विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ जी ने लाइव प्रसारण के माध्यम से सम्बोधन में कहा कि ग्रामीणध्शहरी क्षेत्रों में आंगनबाड़ी कार्यकत्रीध्सहायिकाओं द्वारा कुपोषित बच्चों को पोषित की श्रेणी में लाने में बड़ी भूमिका निभाती है। इनके द्वारा समय समय पर कुपोषित बच्चो के स्वास्थ्य का परीक्षण कराती है और उन बच्चो को पौष्टिक आहार देकर सामान्य बच्चो की श्रेणी में लाती है।

लोहिया कला भवन में जिलाधिकारी दीपक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना महामारी के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियोंध् सहायकिाओ द्वारा घर–घर जाकर पोषाहार का वितरण किया गया है। निगरानी समितिसरं गांवों में सर्दी, खांसीख् बुखार के लक्षण पाये जाने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर संबधित इलाज कराने हेतु प्राथमिक स्वस्थ्य केन्द्र ध्सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भेजने में सहयोग करे। जो लोग कोविड–19 का टीकाकरण न कराये हो उन्हे टीकाकरण हेतु प्रेरित करे। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी पुलकित गर्ग, जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभांगी कुलकर्णी, बाल विकास परियोजना अधिकारी नौगढ़, खुनियांव, उसका तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित थी।

300 यूनिट फ्री बीजली देने की बात पर भाजपा को लगा सबसे ज्यादा करंट : अखिलेश यादव

लखनऊ (वेब वार्ता)। सपा के राष्टीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में कई अन्य दलों से नेताओं की सपा में जॉइनिंग कराया। इनमें राकेश पांडेय पूर्व सांसद अंबेडकर नगर, माधुरी वर्मा भाजपा विध्ायक, कांति सिंह पूर्व एमएलसी, बश्जेश मिश्रा पूर्व विधायक व अन्य नेता शामिल हैं। इस दौरान अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया संबाधित करते हुए कहा कि जिस दिन से नए साल पर 300 यूनिट फ्री का फैसला लिया है। उस दिन से भाजपा को सबसे ज्यादा करेंट लगा है। भाजपा वाले पूछ रहे है बिजली कँहा से मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अगर अच्छे से काम किया होता तो बिजली की कमी नही होती। हमारे अनुपयोगी मुख्यमंत्री अगर ध्यान देते तो पॉवरप्लांट जल्दी तैयार हो जाते। जब 300 यूनिट फ्री देने का वादा किया है उसके पीछे तमाम योजनाएं है जो पूरी की जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा की नजर वोट पर है तभी कृषि कानून वापस लिए। अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर तंज कसते हुए कहा कि बाबा मुख्यमंत्री कहते हैं कि 12 बजे सो कर उठते हैं, अब बताइये जब उत्तरप्रदेश का मुख्य सचिव बदला तो ये कहां सो रहे थे? हम 12 बजे सोते थे तो ये कहाँ सो रहे थे? एक बड़े ब्राह्मण चेहरे को पार्टी में शामिल कराने में मिली सफलता को सपा अन्य

सीटों पर भी कैश कराने की तैयारी में है। सपा की कोशिश है कि राकेश पांडेय को आगामी दिनों में विधिवत पार्टी में शामिल करते हुए न सिर्फ अंबेडकरनगर वरन सुल्तानपुर, अयोध्या, संतकबीरनगर व बस्ती जैसे जनपदों में भी ब्राह्मण वर्ग के बीच बेहद संदेश दिया जा सके। इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं। इस बीच सपा में अधिकृत तौर पर शामिल होने से पहले ही पूर्व सांसद के समर्थकों ने लाल टोपी धारण कर ली। जानिए सपा में कौन–कौन हुआ शामिल विध्ानसभा चुनाव होने से ठीक पहले जिले में सपा का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। बीते विध्ानसभा चुनाव के बाद जिले के वरिष्ठ नेता व आलापुर से विध्ायक रहे पूर्व सांसद त्रिभुवनदत्त ने सबसे पहले सपा का दामन थाम लिया था। उसके बाद पूर्व मंत्रियों रामअचल राजभर व लालजी वर्मा ने भी बसपा से निष्कासित होने के बाद तमाम अटकलों के बीच समाजवादी पार्टी में शामिल होना तय किया। यह दोनों कटेहरी व अकबरपुर से विध्ायक भी हैं। इस बीच अब समाजवादी पार्टी में जिले के एक और कद्दावर नेता ने शामिल होने का फैसला किया है।

राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता बंसल करेंगी जनसुनवायी

सीतापुर। (सू0वि0) जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि मिशन शक्ति फेज–3 के अन्तर्गत महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाये जाने तथा महिला उत्पीड़न की रोकथाम व त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सुनीता बंसल दिनांक–05 जनवरी 2022 दिन–बुधवार को अपरान्ह 01.00 बजे तहसील सदर के सभागार में महिला उत्पीड़न एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने हेतु जनसुनवाई करेंगी। यदि किसी महिला को कोई शिकायत है तो वह महिला अपनी शिकायत तहसील सदर के सभागार में उपस्थित होकर दर्ज करा सकती है।

धर्मेंद्र प्रधान के चुनाव संयोजन व रा.क्रा.स.पा के सहयोग से भाजपा को मिलेगा प्रचंड बहुमत–गोपाल राय

अवध की आवाज

लखनऊ। सोमवार राष्ट्रीय क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि विगत दिनों में उत्तर प्रदेश भाजपा चुनाव प्रभारी व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा सरकार द्वारा जनहित में किए गए कार्य को जन–जन तक पहुंचा रही है प्रदेश के सभी जाति धर्म के बीच पहुंचकर योगी सरकार द्वारा किए गए कार्यो के आधार पर उत्तर प्रदेश में भाजपा

श्री धर्मेंद्र प्रधान जी के दिल्ली स्थितआवास पर उनकी मुलाकात हुई। लगभग 1 घंटे की बैठक हुई जिसमें उत्तर प्रदेश में भाजपा को प्रचंड बहुमत दिलाने की रणनीति तय हुई। उत्तर प्रदेश चुनाव में हमारी पार्टी को भी सबका साथ सबका विकास के तर्ज पर सम्मानजनक समझौता के तहत भाजपा द्वारा सम्मान दिए जाने की बात हुई। श्री राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को ऐतिहासिक बहुमत दिलाने हेतु राष्ट्रीय क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी एवं सहयोगी दल के कार्यकर्ता कार्य कर रहे हैं जिसमें दलित शोषित समाज पार्टी भी शामिल है उन्होंने कहा कि योगी सरकार के 5 साल में भय, भूख, और भ्रष्टाचार से मुक्त हो रहा है और अपराध व भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में योगी सरकार कर्मठ रही है। उत्तर प्रदेश में विकास तेजी से हुआ है वहीं अपराध व भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में सरकार कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश में विकास का ग्राफ तेजी से बड़ा है जो निश्चित रूप से काबिले तारीफ है। राय ने कहा कि हमारी पार्टी जनक्रांति यात्रा के माध्यम से प्रदेश के मंडल व जनपदों में योगी को प्रचंड बहुमत दिलाने की अपील की जा रही है। श्री राय ने कहा कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व द्वारा देश के लोकप्रिय केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान को उत्तर प्रदेश 2022 का चुनाव अभियान का प्रभारी बनाने से प्रदेश वासियों में हर्ष है क्योंकि प्रधानमंत्री जी एक ऐसे संगठन के कुशल कार्यकर्ता को जिम्मेदारी सौंपे हैं जिससे कार्यकर्ताओं में जान आ गई है। श्री प्रधान द्वारा रात दिन मेहनत और योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर चुनाव को ऐतिहासिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन कर रहे हैं। वहीं देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णय नागरिक संशोधन बिल, तीन तलाक, धारा 370 का समापन से प्रदेश वह देश की जनता राष्ट्रहित में भाजपा की सरकार को देखना चाहती है जिसका परिणाम चुनाव के बाद जनता के सहयोग से भाजपा को प्रचंड बहुमत दिला कर जनता की सरकार बनेगी जो देश के लिए ऐतिहासिक दिन साबित होगा।

एक करोड़ युवाओं को मिलेगा टैबलेट या स्मार्टफोन : सतीश महाना

कानपुर (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा डी0जे0 शक्ति कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। इसमें एक करोड़ युवाओं को टेबलेट व स्मार्टफोन वितरित करने की योजना है। इस योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पिछले वर्ष 25 दिसम्बर को भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम लखनऊ में लगभग एक लाख युवाओं को टैबलेट/ स्मार्टफोन का वितरण कर किया गया। इसी क्रम में सोमवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में जनपद के विभिन्न कॉलेजों में अध्यनरत युवाओं को टैबलेट/ स्मार्टफोन वितरित किया जा रहा है। यह बातें सोमवार को विश्वविद्यालय में टैबलेट व स्मार्टफोन वितरित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सतीश महाना ने कही। उन्होंने कहा कि आईआईटी इलेक्ट्रॉनिक ने जिस प्रकार बहुत तेजी से प्रगति की है उसके कारण एक स्लोगन आया था 'कर लो दुनिया मुट्ठी में' आजकल दुनिया बहुत छोटी है और हर उस व्यक्ति के पास सॉरी वह जानकारी उपलब्ध है जो वह चाहता है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सोचा कि हमारे प्रदेश के युवाओं के हाथ में टैबलेट व स्मार्टफोन होना चाहिए। धीरे–धीरे आगे बढ़ेंगे तो आईपैड भी होगा और अलग–अलग प्रकार के लेटेस्ट टेक्नोलॉजी इक्यूपमेंट आपके हाथ में होंगे।

रुपये पाकर पीड़ित के चेहरे पर लौटी मुस्कान, कहा धन्यवाद गोण्डा पुलिस

सुरेश कुमार तिवारी

कहोबा चौराहा गोंडा पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन मे साइबर सेल द्वारा

साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु समय–समय पर जन–जागरुकता अभियान चलाकर साइबर अपराधो से बचाव हेतु जनसामान्य को जागरुक किया जा रहा है। इसके साथ ही साथ साइबर अपराधों की सूचना मिलने पर तत्काल साइबर सेल को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु भी निर्देशित किया गया है। पीड़ित कमलेश कुमार निवासी ग्राम मानपुर थाना खोड़ारे जनपद गोण्डा ने पुलिस अधीक्षक गोण्डा को अपने शिकायती प्रार्थना पत्र में फ्रॉड कॉल पर रिमोट एक्सेस ऐप एनी डेस्क इन्सटॉल करवा कर खाते से रु0 2,96,383ध्– ठगी कर निकाले जाने की शिकायत की थी । पुलिस अधीक्षक ने प्रकरण को तत्काल संज्ञान मे लेते हुए साइबर सेल को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया था। जिस पर साइबर सेल द्वारा सम्बंधित बैंकध्इंडेमेडरी से संपर्क स्थापित कर तत्काल कार्यवाही करते हुए फ्रॉड की गयी धनराशि मे से रु0 2,71,383ध्– को संबंधित वॉलेट से संपर्क कर अल्प समय में पीड़ित के खाते में वापस कराया। धोखाधड़ी के रकम वापस मिलने पर पीड़ित द्वारा पुलिस अधीक्षक गोण्डा व साइबर सेल को बहुत–बहुत धन्यवाद दिया गया । पुलिस अधीक्षक ने बताया कि किसी भी अंजान व्यक्ति के फोन कॉल पर कभी भी बैंक डिटेल, एटीएम डिटेल शेयर न करें । साइबर अपराध का शिकार होने पर तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन या 155260 पर शिकायत दर्ज कराएं ।

15 से 18 वर्ष आयु के लोगों का कोविड वैक्सीनेशन शुरू, जीजीआईसी में डीएम ने किया औपचारिक शुभारम्भ

अवध की आवाज ब्यूरो चीफ

गोण्डा। डीएम मार्कण्डेय शाही ने जीजीआईसी कालेज में कोविड वैक्सीनेशन के सम्बन्ध में आयोजित प्रेसवार्ता में जनपद के समस्त विद्यालय प्रबन्धकों एवं जनसामान्य से अपील करते हुए कहा है कि 16 जनवरी 2021 से कोविड–19 टीकाकरण सभी आयु वर्ग के जनमानस हेतु चरणबद्ध रुप से संचालित हो रहा है। वर्तमान में सम्पूर्ण प्रदेश में कोविड–19 मामलों के दृष्टिगत बढ़ोत्तरी एवं ओमीक्रान (वेरियंट आफ कन्सर्न्स) के बढ़ते केसेज को ध्यान में रखते चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के नेशनल टेक्निकल एडवायजरी ग्रुप हुए ऑन इम्यूनाईजेशन के कोविड–19 वर्किंग ग्रुप के परामर्श के पश्चात प्रदेश में 03 जनवरी 2022 से 15 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को कोविड की वैक्सीन से आच्छादित करने का काम शुरू कर दिया गया है। वैक्सीनेशन का औपचारिक शुभारम्भ करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि यह आच्छादन सम्पूर्ण जनपद में विशेष सीवीसी (कोविड वैक्सीनेशन सेन्टर) के माध्यम से आयोजित किया

जाएगा। यह टीकाकरण केवल को वैक्सीन के दोनों डोज (28 दिन के अंतर पर) से आच्छादित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक डोज 0.5 एमएल की ही होगी। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे लाभार्थी जिनकी जन्मतिथि 2007 या इससे पहले की है टीकाकरण के पात्र होंगे। 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी लाभार्थियों को पूर्व में ही पंजीकरण एवं ऑन साइट (वाक–इन) के माध्यम से टीकाकरण किया जा सकेगा। लाभार्थियों द्वारा वर्तमान में उपलब्ध अकाउंट अथवा कोविन पोर्टल पर अपने मोबाइल नम्बर द्वारा नया अकाउंट बनाते हुए पंजीकृत किया जा सकेगा। वैक्सीनेशन के लिए यूनिक मोबाइल नम्बर द्वारा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के माध्यम से कोविन पोर्टल पर सेल्फ रजिस्ट्रेशन के द्वारा आनलाइन अपॉइंटमेंट बुकिंग किया जा सकता है। लक्षित लाभार्थियों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा 01 जनवरी 2022 से उपलब्ध करा दी गई है। लाभार्थियों द्वारा सत्र स्थल पर वेरिफायर एवं वैक्सीनेटर के सहयोग से वाक इन कर स्वयं को पंजीकृत किया जा सकेगा। टीकाकरण के लिए ऑनलाइन आनसाइट एप्वाइंटमेंट बुक किया जा सकता है। वैक्सीनेशन स्लाट की उपलब्धता के आधार पर आन साइट मोड में एप्वाइंटमेंट बुक किया जा सकेगा। 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के पात्र लाभार्थियों को डेडिकेटेड कोविड वैक्सीन सेंटर पर को–वैक्सीन से आच्छादित किया जायेगा। इन गतिविधियों को प्रारम्भ करने हेतु डेडिकेटेड कोविड वैक्सीन सेन्टर चिन्हित कर लिया गया है । इस आयु वर्ग के बच्चों के लिए अगल से लाइनें बनवाई जाएगी एवं साइन बोर्ड के माध्यम से सत्र स्थल को विशेष रूप से चिन्हित किया गया है। 15 वर्ष से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को सिर्फ को–वैक्सीन वैक्सीन से आच्छादित किया जाएगा। इस आयु वर्ग के लाभार्थियों के टीकाकरण हेतु कोविशील्ड, स्पुतनिक, जायकोडी कोविड वैक्सीन का उपयोग नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि साथ ही साथ यह सुनिश्चित किया जाय कि वैक्सीन की इंटरमिक्सिंग कदापि न हो। उन्होंने बताया कि जनपद में 15 से 18 वर्ष के लाभार्थियों की अनुमानित जनसंख्या 240,841 है जिनका वैक्सीनेशन किया जाना है।

सम्पादकीय

यूपी की सियायत शतरंज की खेल में संभावना की अटकलें तेज

महाभारत के रणभुमि में दो पक्ष थें, एक पांडवों का, दुसरा पक्ष कौरवों का था।पांडव अपने अधिकारो के लिए धर्म के मार्ग पर थें। वहीं दुसरा पक्ष कौरव अधर्म के मार्ग पर रह कर अपने भाई का अधिकारो पर कब्जा करना चाहता था। पांडव पक्ष का नेत्तश्त्व स्वयं कृष्ण कर रहे थें 'जब कि कौरव पक्ष की ओर भीष्म पितामह, गुरु द्रोणाचार्य समेत असंख्य महारथी' अक्षुण्य सेनाओं की थी।पांडवो की ओर बार–बार विनीत कर महाभारत के युद्ध को रोकने का प्रयास विफल रहा था। पांडवो की ओर कृष्ण ने इस शर्त के साथ युद्ध में उतरने की अपनी सहमति दी कि मै युद्ध में हथियार नही उठाऊंगा। धर्म अधर्म के बीच चली 18 दिनों के इस युद्ध में श्री कृष्ण के नेत्तश्त्व में लडी गई।परिणाम अंहकारी व अधर्मी कौरवो को पराजित पांडवो को विजय दिलाई व सिंहासन पर बिठाया।

महाभारत की यह कथा कोई कपोल कल्पित कल्पना की अवधारणाओं पर आधारित नही 'बल्कि राजनीति व सता के सिंघासन पर आसीन होने वाले को राजनीति पार्टी के नेताओ को हमेशा ही याद दिलाता रहेगी कि सता की शक्ति के अंहकार मे वह अपना धर्म कर्म' कर्तव्य को कभी ना भुले बल्कि हमेशा ही धर्म के मार्ग पर चलते है हुए अपने राज धर्म का पालन करे। भारतीय राजनीति के वर्तमान परिपेक्ष मे सता के सिंघासन पर आसीन केन्द्र व राज्यो के सरकारों को अपना राज धर्म व जनता के प्रति उत्तर दायित्वो का निर्वाह का पालन विना किसी धर्म जाति लिंग भेद भाव का विना करना चाहिए' क्योंकि हमारे देश राजतंत्र नही बल्कि प्रजातंत्र है। प्रजातंत्र में जनता ही सर्वोपरि होता है। जनता ही अपना गुप्त मतदान कर राजनीतिक दल को अपना जर्नादन बना कर पाँच वर्षो के लिए भेजता है।

पिछला बीता हुआ वर्ष कोरोना के संकट काल में भारतीय राजनीति अर्थ व्यवस्था में काफी ही उथल पुथल से गुजरना पड़ा है। नव वर्ष का आगमन कोरोना के नये अवतार के रूप ओमिक्रान के रूप में प्रचण्ड रूप में अवरित हुआ है वही इस वर्ष के शुरूआत में पाँच राज्यो के विधान सभा के चुनाव होने वाले है।इन पाँच में सवसे महत्वपूर्ण व रोचक चुनाव उत्तर प्रदेश का विधान सभा चुनाव है। क्योकि भारतीय राजनीति के मर्मज्ञ के अनुसार दिल्ली दरबार की सता की चाबी नबावों के शहर लखनऊ से जाती है। यानि भारतीय राजनीति में इस वर्ष होने वाले उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव के परिणाम की अपनी अंहम भूमिका रहेगी। इसकी साफ झलक भाजपा के शीर्ष नेतृत्व व भाजपा की केन्द्र सरकार प्रधान सेवक व मंत्री मण्डल के शीर्ष मंत्रियो व नेता कि चेहरे पर चिंता की स्पष्ट लकीरों से झलकती है।

हालाकि उत्तर प्रदेश में चुनाव की तारीख भले ही अभी चुनाव आयोग ने घोषित नही कि है। लेकिन इन दिनो राजनीति क दलो के चुनावी रैली 'शिलान्यस' 'उद्घाटन' चुनावी वादो के बहती ब्यार से स्पष्ट हो गया है कि भाजपा किसी हालत में उत्तर प्रदेश मे सता पर पुन आसीन होना चाहती है। डब्ल ईंजन की सरकार वाली पार्टी इसके लिए अपने सारे शाम दण्ड भेद को एक साथ लगा रही है। इस कडी मे पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह, योगी समेत भाजपा के तमाम नेता ताब ड़तोड़ रैलियां करने में जुटे हैं वही दुसरी ओर विपक्ष अपने युवा अखिलेश यादव सपा के लिए अकेले ही रण क्षेत्र मे निकल पड़े हैं।

बसपा और कांग्रेस ने भी अपनी कमर कस ली हैं, अब प्रजातंत्र के सजग प्रहरी के रूप जनता जनार्दन तय करेगा कि उत्तर प्रदेश की जनता के लिए कौन सच्चा सेवक है।इस संदर्भ में चुनाव के पूर्व कराये एबीपी–सी वोटर के द्वारा किये गये सर्वे में उत्तर प्रदेश के विधान सभा के चुनाव को लेकर बड़े–बडे अनुमान लगाए गए हैं।वही जनता की राय में मले हीअब भी भाजपा पहले नंबर पर है, लेकिन सपा की शक्ति को नाकारा नही जा सकता है।उत्तर प्रदेश के राजनीति पंडितो की राय में उ प्र विधान सभा के चुनाव का मुकाबला काँटे की टक्कर की रहने की संभावना है। सर्वे के पूर्वानुमान के मुताबिक यूपी के जनता की रायकृ मे.49 फीसदी लोगों ने माना योगी की सत्ता में पुनःवापसी कर सकती है।यह आंकडे भाजपा एबीपी–सी वोटर की ओर से 29 दिसंबर को जनता की राय ली ।इसके अलावा 30 प्रतिशत लोग सपा के पक्ष में दिखाई दिए।इस सर्वे में शामिल जनता की राय मे 8 फीसदी लोग मायावती की सरकार के पक्ष में दिखे तो 6 फीसदी लोगों ने कांग्रेस को भी मजबूत दावेदार माना है।2 प्रतिशत ने अन्य और 3 प्रतिशत ने उत्तर प्रदेश विधानसभा त्रिकुंश होने की बात कही है।शेष तीन प्रतिशत लोगों ने पता नहीं में जवाब दिया था।

राज्य वे विधान सभा के क्षेत्रवार भी बात करें तो पूर्वांचल से लेकर अवध, बुंदेलखंड और पश्चिम तक में भाजपा की बढत दिखाई दे रही है।सवसे बडे दिलचस्प बात यह है कि जिस पश्चिम यूपी किसान आंदोलन का असर माना जा रहा था, वहां भी वह सपा, बसपा जैसे दलों से आगे की बात कही जा रही है।

जहाँ तक मतदान का प्रशन है वह अवध में भाजपा को 44 फीसदी वोट मिलते दिख रहे हैं, जबकि सपा को 31 और बसपा को महज 10 पर्सेंट वोट ही मिलने का अनुमान है।कांग्रेस 8 फीसदी वोट हासिल कर सकती है। पश्चिमी यूपी में भाजपा का ही दबदबा है।यहां उसे 40 फीसदी वोट शेयर मिलता नजर आ रहा है।इसके अलावा सपा को 33 फीसदी मत मिल सकते हैं।यहां बसपा 15 फीसदी मत पा सकती है। कांग्रेस यहां भी 7 फीसदी पर ही सिमट सकती है।पूर्वांचल में130 सीटें हैं, जो किसी भी पार्टी को सत्ता के शीर्ष पर ले जाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। यहां भाजपा को 41 तो सपा को 36 पर्सेंट वोट मिल सकते हैं। बुंदेलखंड में 19 सीटें हैं।यहां भाजपा 42 फीसदी वोट पा सकती है।सपा यहां मुकाबले में काफी करीब है और 33 फीसदी वोट पा सकती है।

उपर दर्शाये गये मात्र एक जनता के मध्य कराये गये शेम्पल सर्वेक्षणों का पुर्वानुमान है।अभी तो उत्तर प्रदेश के विधान सभा के रण क्षेत्र में राजनीतिक दलो के नेताओं व नीति कारो ने विजय की रण नीति बनाने में लग गए है। अभी बहुत उतार चढ़ाव के दौर से राज्य की जनता का गुजरना है। राज्य की जनता को अपनी सुझ बुझ से काम लेना होगा कि उनका व राज्य का कौन सच्चा साथी है। धर्म की आड में भावना के रथ पर सवार होने वाले 'विकाश की साईकिल पर सवार होकर समाजवाद की अलख जगाने वाला ' समाज के निम्न तपको सच्ची मद्हाथी पर बहुजन के हितो के विगुल बजाने वाली बहिन जी या गंगा–यमुना के तहजीब की दुहाई देने वाली युवा नवोदित नेत्री प्रियंका पर या देश की राजधानी दिल्ली की जनता की सच्चे सेवक शिक्षा 'स्वास्थ्य सेवा ' मुफ्त बिजली पानी उपलब्ध कराने वाले गरीबों का मशीहा–करिश्माई व्यक्तित्व केजरीवाल के झाडु पर ये 'आने वाले समय व प्रदेश की जनता जनार्दन को निर्णय लेना है।उसके लिए कौन सच्चा सेवक 'धर्म के रक्षक 'व रिस्ते के सच्चे हितेशी है।अभी तो बहुते ही सर्वे के आयेगें सारे राजनीति क दल अपने–अपने जीत की दावेदारी ठोकेगी !राज्य की जनता इतनी भोली भाली नही है जितना राजनेता समझ रहे है। क्योकि ये पब्लिक है सब जानती है।फिल हाल हम अपने प्रिय पाठको से यह कहते हुए– ना ही काहूँ से दोस्ती 'ना ही काहूँ से बैर। खबरी लाल तो माँगे, सबकी ख़ैरनव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं के साथ आप से विदा लेते है फिर मिलेगे तीरक्षी नजर से तीखी खबर के संग 'तब तक के लिए अलविदा।

नफरत फैलाना, हिंसा भड़काना अब नहीं है अपराध!

–राम पुनियानी–

सूरजपाल अमु ने अत्यंत घटिया और नफरत फैलाने वाला भाषण दिया. उसके बाद उन्हें भाजपा की राज्य इकाई का प्रवक्ता बना दिया गया. गौरक्षा–बीफ के मुद्दे पर अखलाक की हत्या के आरोपियों में से एक की मौत हुई. एक तत्कालीन केंद्रीय मंत्री (महेश शर्मा) ने उसे श्रद्धांजलि दी और उसके शव को तिरंगे में लपेटा. लिंचिंग के 8 आरोपियों को जमानत पर रिहा किया गया. एक अन्य केंद्रीय मंत्री (जयंत सिन्हा) ने जेल से छूटने पर फूलमालाओं से उनका स्वागत किया।

इन घटनाओं की पश्ष्ठभूमि में, जो लोग इन दिनों नफरत फैला रहे हैं और हिंसा भड़का रहे हैं उनके खिलाफ कोई कार्यवाही न होने से हमें चकित नहीं होना चाहिए. अभी ज्यादा समय नहीं गुजरा जब आन्दोलनकारियों को 'गोली मारने' का आह्वान करने वाले राज्य मंत्री को कैबिनेट में पद्दोन्नत किया गया था. हम सबको याद है कि हमारे प्रधानमंत्री, जो अपने मन की बात से हमें जब चाहे अवगत कराते रहते हैं, जुनैद और रोहित वेम्युला की मौत के बाद या तो चुप्पी साधे रहे या बहुत दिन बाद कुछ बोले.

आज दिसम्बर 2021 की 24 तारीख है. और आज तक हमारे प्रधानमंत्री ने पांच दिन पहले घटित दो विचलित और चिंतित करने वाले घटनाओं के सम्बन्ध में अपने विचारों से हमें अवगत नहीं करवाया है. इनमें से एक घटना 19 दिसम्बर को हुई थी इस दिन सुदर्शन टीवी के मुख्य संपादक सुरेश चाव्हानके ने युवा लड़कों और लड़कियों को शपथ दिलवाई. कार्यक्रम का आयोजन हिन्दू वाहिनी द्वारा किया गया था. इस संगठन के संस्थापक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरखनाथ पीठ के महंत योगी आदित्यनाथ हैं. शपथ इस प्रकार थीः 'हम सब शपथ लेते हैं, अपना वचन देते हैं, संकल्प करते हैं कि हम भारत को एक हिंदू राष्ट्र बनाएंगे, अपनी अंतिम सांस तक इसे एक हिंदू राष्ट्र रखेंगे. हम लड़ेंगे और मरेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो हम मार भी डालेंगे.'

हरिद्वार में एक अन्य आयोजन में सैकड़ों भगवाधारी साधु और साध्वियां 'इस्लामिक आतंकवाद और हमारी जिम्मेदारियां' विषय पर मंथन के लिए एकत्रित हुए. यह एक 'धर्म संसद' थी, जिसका आयोजन गाजियाबाद मंदिर के मुख्य पुजारी यति नरसिम्हानंद ने किया था. उन्होंने आयोजन की दिशा निर्धारित करते हुए अपने भाषण में कहा, '(मुसलमानों के) आर्थिक बहिष्कार से काम नहीं चलेगाकृ हथियार उठाए बिना कोई समुदाय अपने अस्तित्व की रक्षा नहीं कर सकताकृतलवारें किसी काम की नहीं है, वे केवल मंच पर अच्छी लगती हैं। आपको अपने हथियारों को बेहतर बनाना होगाकृअधिक से अधिक बच्चे और बेहतर हथियार ही आपकी रक्षा कर सकते हैं.' मुसलमानों के खिलाफ हथियारबंद हिंसा का आव्हान करते हुए उन्होंने 'शस्त्रमेव जयते' का नारा दिया. एक अन्य वीडियो में, नरसिम्हानंद हिन्दू युवकों को (लिट्टे नेता) 'प्रभाकरण' और 'भिंडरावाले' बनने का आव्हान करते हुए दिखलाई देते हैं. वे 'प्रभाकरण' जैसा बनने वाले हिन्दुओं के लिए एक करोड़ रुपये के पुरस्कार की घोषणा भी करते हैं।

हिन्दू महासभा की महासचिव अन्नपूर्णा माँ (जो पूर्व में पूनम शकुन पांडे कहलाती थीं) ने कहा कि हमें 100 सिपाहियों की जरुरत हैं जो उनके (मुसलमानों) 20 लाख लोगों को मार सकें. उन्होंने आगे कहा, 'मातृ शक्ति के शेर के पंजे हैं. फाड़ कर रख देंगे'. ये वही महिला हैं जिन्होंने कुछ वर्ष पहले मेरठ में गांधीजी की हत्या के दृश्य का पुनःसृजन किया था और उसके बाद मिठाई बांटी थी.

बिहार से पधारे धरम दास महाराज ने फरमाया, 'जब संसद में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि मुसलमानों का देश के संसाधनों पर पहले हक है उस समय यदि मैं संसद में मौजूद होता तो नाथूराम गोडसे की तरह, मनमोहन सिंह के शरीर में रिवाल्वर से छह गोलियां उतार देता.'

ये धर्म संसद की कार्यवाही की कुछ अंश हैं. इन आयोजनों की शुरुआत विश्व हिन्दू परिषद् ने बाबरी मस्जिद के ध्वंस के बाद की थी. आश्चर्यजनक यह है कि इन वीडियो के सोशल मीडिया पर आसानी से उपलब्ध होने के बाद भी पुलिस ने इस मामले में अब तक कोई कार्यवाही नहीं की है। जो इस तरह की बातें कह रहे हैं वे कानून की दृष्टि से निश्चय ही अपराधी हैं। परन्तु उन्हें पता है कि उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं होगी. उन्हें पता है कि मन ही मन सत्ताधारी उनके इस तरह की भाषणों की सराहना करते हैं. यह भी हो सकता है कि इस तरह की बातें, इस तरह की भड़काऊ बातें, चुनाव की तैयारी का हिस्सा हों. मजे की बात यह है कि यह सब तब हो रहा है जब मुन्नवर फारुकी को ऐसे चुटकुले के लिए गिरफ्तार किया गया था जो उसने सुनाया ही नहीं था. और तबसे उसके अनेक शो रद्द किये जा चुके हैं।

इस तरह की बातों का अल्पसंख्यकों पर क्या असर पड़ेगा? वे इस देश के समान नागरिक हैं। क्या उनके मन में डर का भाव उत्पन्न नहीं होगा? क्या उनके आर्थिक बहिष्कार और उनकी जान लेने की धमकियों से उनमें अपने मोहल्लों में सिमटने की प्रवश्ति और नहीं बढेगी? परेशान और चिंतित जमीयत–ए–उलेमा–ए–हिन्द के महमूद मदनी ने केंद्रीय गश्ह मंत्री को इस मामले में एक पत्र लिखा है. क्या अल्पसंख्यक आयोग इन अत्यंत आपत्तिजनक भाषणों का संज्ञान लेकर कार्यवाही करेगा? क्या पुलिस जितेन्द्र त्यागी (पूर्व में वसीम रिजवी) के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से आगे कोई कार्यवाही नहीं करेगी? क्या सुप्रीम कोर्ट इस मसले का स्वतः संज्ञान नहीं लेगा?

खुलेआम और इस स्तर की हिंसा के लिए भड़काने और नफरत फैलाने के इस तमाशे से पूरी दुनिया स्तंभित है. देश किस ओर जा रहा है इसका अनुमान विश्व मीडिया को कुछ हद तक पहले से ही था. डेली गार्जियन में 2020 में प्रकाशित एक लेख में कहा गया था, 'चूँकि जनता के समग्र हितों के लिए काम करना कठिन है इसलिए सत्ताधारी दल की कमियों, जिनका धर्म से कोई सम्बन्ध हो या न हो, की ओर ध्यान दिलाने के लिए अनवरत नफरत फैलाने वाली बातों का सिलसिला सन 1990 के दशक के प्रारंभ से ही शुरू हो गया था और यह दूसरी सहस्त्राब्दी के शुरूआती वर्षों में भी जारी रहा. नफरत फैलाने वाली बातें भारतीय प्रजातंत्र का हिस्सा बनतीं गईं.'

क्या उनके आर्थिक बहिष्कार और उनकी जान लेने की धमकियों से उनमें अपने मोहल्लों में सिमटने की प्रवश्ति और नहीं बढेगी? परेशान और चिंतित जमीयत–ए–उलेमा–ए–हिन्द के महमूद मदनी ने केंद्रीय गश्ह मंत्री को इस मामले में एक पत्र लिखा है. क्या अल्पसंख्यक आयोग इन अत्यंत आपत्तिजनक भाषणों का संज्ञान लेकर कार्यवाही करेगा? क्या पुलिस जितेन्द्र त्यागी (पूर्व में वसीम रिजवी) के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से आगे कोई कार्यवाही नहीं करेगी? क्या सुप्रीम कोर्ट इस मसले का स्वतः संज्ञान नहीं लेगा?

खुलेआम और इस स्तर की हिंसा के लिए भड़काने और नफरत फैलाने के इस तमाशे से पूरी दुनिया स्तंभित है. देश किस ओर जा रहा है इसका अनुमान विश्व मीडिया को कुछ हद तक पहले से ही था. डेली गार्जियन में 2020 में प्रकाशित एक लेख में कहा गया था, 'चूँकि जनता के समग्र हितों के लिए काम करना कठिन है इसलिए सत्ताधारी दल की कमियों, जिनका धर्म से कोई सम्बन्ध हो या न हो, की ओर ध्यान दिलाने के लिए अनवरत नफरत फैलाने वाली बातों का सिलसिला सन 1990 के दशक के प्रारंभ से ही शुरू हो गया था और यह दूसरी सहस्त्राब्दी के शुरूआती वर्षों में भी जारी रहा. नफरत फैलाने वाली बातें भारतीय प्रजातंत्र का हिस्सा बनतीं गईं.'

अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत का भाव चरम पर पहुँच गया है. अविभाजित भारत में हिन्दुओं और मुसलमानों को एक दूसरे का शत्रु बनाने की जो सांप्रदायिक राजनीति शुरू हुई थी, वह अब केवल मुसलमानों पर केन्द्रित हो गई है. हर मौके का इस्तेमाल मुसलमानों के दानवीकरण के लिए किया जा रहा है. पिछले सात सालों में बीजेपी सरकार के शासनकाल में यह प्रवृत्ति और बढ़ी है। अमरीकी मीडिया द्वारा इस्लामिक आतंकवाद जैसे शब्दों को गढ़ कर, इस समुदाय के जख्मों पर नमक छिड़का जा रहा है।

आज जरुरत इस बात की है कि नागरिक समाज इस स्थिति के बारे में कुछ करे. देर–सवेर, 'दूसरों' के खिलाफ हिंसा और नफरत, उसी समुदाय के लिए भस्मासुर बन जाती है जो उसे हवा देता है. सभी गैर–भाजपा पार्टियों को एक मंच पर आकर नफरत के सौदागरों के खिलाफ आवाज बुलंद करनी चाहिए. परस्पर प्रेम को बढ़ावा देने और नफरत से किनारा करने के लिए एक सामाजिक आन्दोलन की जरुरत है। हमें भक्ति और सूफी संतों और महात्मा गाँधी व मौलाना आजाद की दिखाई राह पर चलना होगा. तभी देश और समाज में शांति और सद्भाव का वातावरण बन सकेगा।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया)

पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव कांग्रेस के लिए अग्निपरीक्षा की तरह हैं

–सुरेश हिंदुस्थानी–

पिछले दो लोकसभा चुनावों के बाद जिस प्रकार की राजनीतिक तस्वीर निर्मित हुई है, उससे यही परिलक्षित होता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस बहुत बड़ी और कठिन परीक्षा के दौर से गुजर रही है। अब देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की कवायद चल रही है। इन राज्यों में कांग्रेस की वर्तमान हालात परिस्थिति के ऐसे भंवर में गोता लगा रही है, जहां से वह अपनी राजनीतिक स्थिति में सुधार कर पाएगी, यह असंभव–सा ही लगता है। असंभव इसलिए भी कहा जा सकता है कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में पहले से ही कांग्रेस की स्थिति ठीक नहीं है। और फिर वर्तमान के भाजपा शासन से उत्तर प्रदेश की भुक्तभोगी जनता बहुत ही संतुष्ट दिखाई दे रही है। ऐसा हम नहीं कह रहे, बल्कि वह जनता कह रही है जो पिछले शासन में दबंगई से परेशान थी। केवल दबंग ही नहीं, बल्कि प्रशासन के आला अधिकारी भी राजनीतिक संरक्षण प्राप्त करके अपनी मनमानी करती थी, जिसका खामियाजा सीधे तौर पर उत्तर प्रदेश की उस जनता को भुगतना पड़ता था जो बहुत ही संस्कारित भाव और ईमानदारी के साथ जीवन यापन करती थी। कौन नहीं जानता कि आज उत्तर प्रदेश के बड़े–बड़े दबंग महारथी या तो रास्ते पर आ गए हैं या फिर सुरक्षित स्थान पर पहुंचकर शांत भाव से प्रदेश की योगी सरकार की कार्यशैली को बिना किसी नानुकुर के देख रहे हैं।

कांग्रेस की विसंगति यह है कि आज के परिदृश्य में उसके साथ मिलकर कम से कम उत्तर प्रदेश में तो कोई भी दल चुनाव लड़ना नहीं चाहता, क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बड़ा सपना दिखाते हुए समाजवादी पार्टी को सत्ता सुख से वंचित कर दिया। अखिलेश यादव के सीने में यह टीस गाहे बगाहे उठती ही होगी। दूसरी बड़ी बात यह भी है कि गांधी परिवार की विरासती पश्ष्ठभूमि से राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने वाली श्रीमती प्रियंका वाड्रा भी वैसा राजनीतिक प्रभाव नहीं छोड़ पाईं, जैसी उम्मीद की जा रही थी। इसमें कांग्रेस के कमजोर होने एक प्रामाणिक तथ्य यह भी है कि राहुल गांधी ने अपने परिवार की परंपरागत सीट अमेठी का परित्याग कर केरल की राजनीतिक पिच पर अपना खेल खेला। हालांकि राहुल गांधी ने अमेठी से चुनाव अवश्य लड़ा, लेकिन भाजपा की ओर पूरी तैयारी करके जो चुनौती दी, राहुल गांधी उस चुनौती को स्वीकार करने की स्थिति में दिखाई नहीं दिए और अमेठी से शर्मनाक पराजय का सामना करना पड़ा।

जहां तक उत्तर प्रदेश के साथ ही पंजाब राज्य की बात करें तो वहां पिछले छह महीने पहले जो राजनीतिक दृश्य दिखाई देता था, आज का दृश्य उसके एकदम उलट है। पहले जो कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस की एक छत्र कमान संभाले थे, आज वे कांग्रेस के लिए ही चुनौती बनकर राजनीतिक मैदान में हैं। यह भी लगभग तय ही हो गया है कि वे भाजपा के साथ दोस्ती करके चुनाव लड़ेंगे। इससे यह लगने लगा है कि भाजपा और कैप्टन अमरिंदर सिंह को भले ही लाभ न मिले, लेकिन कांग्रेस का रसातल की ओर जाना तय–सा लग रहा है। पंजाब में आम आदमी पार्टी सत्ता बनाने लायक अपनी स्थिति मानकर चल रही थी, लेकिन अब उसके सपने पूरे होंगे या नहीं, संशय की स्थिति है। पंजाब में अब राजनीतिक महत्वाकांक्षा पालकर किसान आंदोलन करने वाले 22 किसान संगठनों ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। इस मोर्चा ने जोर दिखाया तो सबके सपने धूमिल भी हो सकते है, लेकिन फिलहाल यह संभव नहीं लगता।

जब से कांग्रेस ने पराभव की ओर कदम बढ़ाने प्रारंभ किए हैं, उस दिन के बाद न तो कांग्रेस में अपनी स्थिति सुधारने की दिशा में कोई प्रयत्न हुए हैं और न ही ऐसा कोई प्रयास ही किया गया है। इसका मुख्य कारण यह भी माना जा रहा है कि केंद्रीय स्तर पर कांग्रेस का कोई ऐसा राजनेता नहीं है जो प्रादेशिक क्षत्रपों को नियंत्रित करने का सामर्थ्य रख सके। इसको लेकर कांग्रेस में अंदर ही अंदर लावा सुलग रहा है, जिसकी हल्की–सी चिंगारी ने ही कांग्रेस को कमजोर किया है, लेकिन भविष्य में कांग्रेस के अंदर बड़े विस्फोट की भी आशंका निर्मित होने लगी है। आज कांग्रेस के दिग्गज नेता असहज महसूस करने लगे हैं। वरिष्ठ नेता के रूप में पहचान बनाने वाले आज मायूस हैं। वे कभी खुलकर बगावत करने की स्थिति में दिखाई देते हैं तो कभी अपने प्रति होने वाली उपेक्षा से दुखी दिखाई देते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एक बार अपना दुख प्रकट करते हुए कहा था कि अब कांग्रेस में वरिष्ठों के दिन समाप्त हो चुके हैं। राहुल गांधी जैसा चाहते हैं वैसा ही हो रहा है। इतना ही नहीं कई राजनेता पार्टी के पूर्णकालिक अध्यक्ष की मांग भी कई बार कर चुके हैं। यह मुद्दा लोकसभा चुनाव के बाद भी बहुत जोरशोर से उठा था, लेकिन इस मांग को राष्ट्रीय नेतश्त्व ने दरकिनार कर दिया। जिसका खामियाजा कांग्रेस को असंतोष के रूप में भोगना पड़ रहा है, अब आगे क्या होगा, यह भविष्य के गर्भ में है, लेकिन यह अवश्य ही कहा जा सकता है कि कांग्रेस की भविष्य की राह आसान नहीं है।

वस्तुतः वर्तमान समय को कांग्रेस के लिए अग्निपरीक्षा निरूपित किया जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। क्योंकि जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की तैयारी चल रही है, उनमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर हैं। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को देखकर यही लगता है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस वैसा चमत्कार करने की स्थिति में नहीं है, जिसकी उसके नेता विरासती पश्ष्ठभूमि से राजनेता बनी प्रियंका वाड्रा से आशा कर रहे थे। उत्तराखंड में भी हालात इससे कम नहीं हैं। पंजाब में घमासान चल ही रहा है। वास्तव में इन सब बातों को सुधारने के लिए कांग्रेस को लोकतांत्रिक पद्धति से अपने प्रभावी नेताओं के दुख को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। इसके अलावा लोकसभा चुनाव में मिली असफलता के बाद कांग्रेस के नेताओं को अपनी दशा सुधारने के लिए आत्ममंथन भी करना चाहिए था, लेकिन नहीं किया गया। पांच राज्यों के चुनाव कांग्रेस के लिए किस प्रकार की स्थिति निर्मित करेंगे, यह अभी देखने का समय है।

(लेखक राजनीतिक चिंतक व विचारक हैं)

देश के संघीय ढांचे को कमजोर करने की कोशिश है राज्यों का मनमाना आचरण

–डा. रवीन्द्र अरजरिया–

भारत गणराज्य को विश्व की आदर्श जनतांत्रिक व्यवस्था के रूप में देखा जाता है। सभी धर्मावलम्बियों को निजिता के सार्वजनिक प्रदर्शन की खुली छूट दी गई है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर धमकी भरे वक्तव्य जारी करने का अधिकार दिया गया है। सरकारी निर्णयों के विरुध्द हिंसक प्रदर्शनों की अप्रत्यक्ष में सहमति है। मौलिक अधिकारों से लेकर सुखाधिकार तक के नाम पर विभिन्न प्राविधानों का मनमाना उपयोग किया जा रहा है। षडयंत्र को योजना और योजना को अधिकार का स्वरूप देने वाले कानून के जानकार उच्चतम न्यायालय से फांसी की सजा प्राप्त अपराधी के लिए उच्च न्यायालय में पुनः अर्जी लगाते हैं। विश्व में शायद ही ऐसा कोई देश होगा जहां के लचीले संविधान को कानून के चन्द जानकारों के तर्कों पर मनमाना परिभाषित करने की छूट मिली है। वर्तमान में जब महामारी के खतरनाक संकेतों के मध्य अनेक राज्यों में चुनावी दुन्दुभी बजने का वातावरण निर्मित होता जा रहा है तब देश के संघीय ढांचे को कमजोर करने जैसी स्थितियों के आरोप सामने आ रहे हैं। जातिगत वैमनुष्यता फैलाने से लेकर साम्प्रदायिकता के आधार पर कानूनी कार्यवाहियां मूर्त रूप लेती जा रहीं हैं। देश से कुछ समय के लिए पुलिस हटा लेने के बाद की स्थिति को मुस्लिम के पक्ष में निरूपित करने की धमकी देने वाले ओबैसी गुट को अभिव्यक्ति की आजादी के आधार पर छूट मिलती है और दूसरी ओर गोडसे को नमन करना संत कालीचरन को महंगा पड जाता है। छत्तीसगढ पुलिस ने मध्यप्रदेश के श्री बागेश्वर धाम के पास से गिरफ्तारी कर लिया। मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने स्थानीय पुलिस को सूचित किये बगैर की गई इस गिरफ्तारी को संघीय व्यवस्था पर चोट करने वाला बताया तो छत्तीसगढ सरकार ने राजनैतिक बयानबाजी शुरू कर दी। इस गिरफ्तारी के लिए वहां पर छः टीमें बनाई गई थीं। आश्चर्य होता है कि एक अभद्र टिप्पणी पर इतनी गम्भीर होने वाली छत्तीगढ पुलिस कभी नक्सली समस्या के लिए भी इतनी गम्भीर नहीं दिखी। महात्मा गांधी पर टिप्पणी और गोडसे को नमन जैसे अपराध पर छत्तीसगढ की सत्ताधारी दल ने अपनी ही पार्टी के एक नेता के प्रार्थना पत्र पर न केवल प्राथमिकी दर्ज की बल्कि आरोपी की गिरफ्तारी हेतु युध्द स्तर पर कार्यवाही भी की। काश, ऐसी तत्परता नक्सली नासूर को समाप्त करने में या फिर शोषण की शिकार किसी आदिवासी महिला की फरियाद पर दिखाई गई होती तो आज देश की तस्वीर स्वर्णिम आवरण में दमक रही होती। संत के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार विलोपित हो जाता है। जबकि सम्प्रदायिक सौहार्द बिगाडने वाले धमकी भरे वक्तव्यों से लेकर भारत माता के टुकडे–टुकडे करने वाले नारों तक के पक्ष में देश के अनेक राजनैतिक दल खडे हो जाते हैं। उसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता निरूपित की जाती है। इस राष्ट्रीय चरित्र के साथ सत्ता सुख भोगने की कल्पना करने वाले स्वयं को राष्ट्रवादी स्थापित करने की फिराक में लगे हुए हैं। संघीय ढांचे को हिलाने का प्रयास जैसे आरोपों से घिरे बंगाल ने एक बार फिर महामारी की आड में अंतर्राष्ट्रीय उडानों पर सीधा नियंत्रण करना शुरू कर दिया है। बंगाल के अपर मुख्य सचिव बीपी गोपालिका ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव राजीव बंसल को एक सूचनार्थ पत्र भेजा है जिसमें ओमिक्रोन को आधार बनाकर 03 जनवरी से यूके से कोलकता के लिए सभी सीधी उडानों को निलंबित करने सहित राज्य सरकार व्दारा लिये गये अनेक निर्णयों का उल्लेख किया गया है। यह केवल सूचनार्थ है न कि सुझावात्मक। जबकि अन्तर्राष्ट्रीय उडानें केन्द्र के अधीन मानी जाती रहीं हैं। इसी तरह से बंगाल के राज्यपाल के अधिकारों, कर्तव्यों और दायित्वों की समीक्षा करने में तृणमूल निरंतर जुटी रहती है। शाहीनबाग के कथित आमजन आंदोलन से लेकर कथित आम किसान आंदोलन तक की घटनायें भी सुखद नहीं कही जा सकतीं। राजनैतिक दलों से लेकर सीमापार तक के षडयंत्रों का प्रत्यक्ष परिणाम धार्मिक उन्माद, व्यक्तिगत वैमनुष्यता का बीजारोपण और आपसी भाईचारे को तिलांजलि देने वाला दिखाई देने लगा है। अतीत की दुहाई पर वर्तमान के क्रियाकलापों से भविष्य का अप्रिय मंजर साफ दिखने लगा है। वर्तमान में भगवां का प्रत्यक्षीकरण खुलकर हो रहा है परन्तु यह न भी नहीं समझना चाहिए कि हरा शांत हो चुका है। विज्ञान का सिध्दान्त कहता है कि प्रत्येक क्रिया के बराबर और विपरीत प्रतिक्रिया निश्चित ही होती है। डबल इंजन का नारा विकास के लिए देने वालों को धरती के अंतर धधक रहे लावे को नहीं भूलना चाहिए। धर्मांतरण जैसी घटनाओं की निरंतरता, कानूनी बंदिशों के बाद भी नाबालिगों का सुर्ख जोडों में विदा होना, सीमित समुदाय के पक्ष में भडकाऊ बयानों से आग लगा, सीमापार से आकर आतंकियों का मजहब के नाम पर खूनी खेल खेलना, सेना के मनोबल को तोडने हेतु आतंक विरोधी कार्यवाहियों पर राजनैतिक परिधान ओढे लोगों व्दारा आरोपों का हाहाकार करना, न तो निजिता का प्रश्न है और न ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। राज्य सरकारों व्दारा मनमाने निर्णय लेना न तो उनका विशेषाधिकार है और न ही केन्द्र की व्यवस्था को लागू करने से मना करना संवैधानिक अनुबंध। ऐसे में प्रश्न उठता है कि कहीं देश के संघीय ढांचे को कमजोर करने की कोशिश तो नहीं है राज्यों का मनमाना आचरण? यह यक्ष प्रश्न देश को नागरिकों को स्वयं अपने ज्ञान के आधार पर हल करना होगा, न कि दूसरों के व्दारा थोपे तर्कों के आधार पर। इस प्रश्न का उत्तर मानसिक क्षमता के साथ–साथ आत्मा के स्तर पर भी स्वीकारा जाना चाहिए, तभी वह सत्य के निकट होगा अन्यथा बाह्य प्रभाव, तर्क, विचार और सिध्दान्तों का जमावडा केवल और केवल खिचडी ही बना सकेगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

खेत में युवक का शव मिलने से क्षेत्र में मचा हड़कंप

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोंचा कासिमपुर के मजरा पूरे महेशी में उस समय हड़कंप मच गया जब खेत में एक युवक का शव मिला। जानकारी के

अनुसार कोचा कासिमपुर के मजरा महेशी के निवासी श्याम सिंह कश्यप पुत्र मुंशीलाल सुबह घर से बाहर निकले थे। जिसके बाद उनका शव दोपहर में घर से 500 मीटर की दूरी पर खेत में बने गड्ढे में पड़ा दिखाई दिया। जिसके बाद इसकी सूचना स्थानीय ग्रामीणों ने परिजनों को दी। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत छानबीन शुरू कर दी। फिलहाल परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। इस घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक श्याम सिंह कश्यप के दो छोटे–छोटे बच्चे भी हैं। इस दुखद घटना के बाद मृतक की पत्नी व बच्चों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है कि, कैसे उनकी परवरिश और जीवन यापन हो पाएगा। फिलहाल इस घटना की पुलिस अभी छानबीन कर रही है, जिससे इस बात का पता लगाया जा सके कि इस घटना के पीछे की सच्चाई क्या है। मौके पर मौजूद कोतवाल करनैलगंज प्रदीप कुमार सिंह ग्रामीणों से मामले की पूछताछ में जुटे हुए हैं, जिससे मामले की सच्चाई का पता लगाया जा सके।

रस्सी के सहारे जमीन पर बैठा मृतक युवक को देखकर,, गले नहीं उतर रही आत्महत्या की बात

अवध की आवाज ब्यूरो

गोण्डा। एक युवक का शव गांव से थोड़ी दूर बाग में एक पेड़ से संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता हुआ पाया गया। जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया। रविवार की सुबह जब लोग अपने खेतों में गए तो पेड़ से लटकता शव देखकर वह दंग रह गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पेड़ से उसे उतरवाकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।प्रकरण मनकापुर थाना के गांव अशरफ पुर से जुड़ा है। यहां के

निवासी गिरजेन्द्र भारती का बेटा कुंदन उर्फ दीप नारायण भारती 19 वर्ष शनिवार की रात्रि घर से घूमने के लिए निकला था। देर रात्रि तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। सुबह गांव से थोड़ी दूर आम के बाग में पेड़ से लटकता उसका शव पाए जाने से परिजनों में कोहराम मच गया। पूरे परिवार का रो रो कर बुरा हाल है।

शटर तोडकर लाखों का कपडा चोरी

मुडेरवामाफी बाजार में रात में हुई चोरी की घटना

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। ठंड बढने से चोरों के हौसले बढ गये और इटियाथोक थाना क्षेत्र के मुडेरवामाफी बीती रात में गोस्वामी की कपडा की दुकान का शटर तोडकर करीब चार लाख का कपडा चोर उठा ले गये। सूचना पर 112 पुलिस आयी , बाद में हल्का दारोगा आकर तहरीर लेकर चले गये । इसे घटना से बाजार के व्यापारियों में दहशत पैदा हो गयी। गोंडा बहराइच मार्ग पर मुडेरवामाफी बाजार थाना इटियाथोक क्षेत्र में आता है, यहां पर पूलिस की पहुंच कभी नहीं रही। कारण यहां से थाने की दूरी करीब तीस किलोमीटर से अधिक है। ऐसे में यहां पर पुलिस की गश्त संभव नहीं रहती । नतीजा शनिवार की रात नय साल के पहले दिन चोरों ने विनोद कुमार गोस्वामी की दुकान को निशाना बनाया। रात में दुकानदार अपने घर बेसिया चौन चला गया था। सूनसान सडक पाकर चोरो ने गोस्वामी की दुकान का शटर को उपर से तोडकर कमरें में रखा कपडा उठा ले गये। रेडीमेड कपडा, साडी, धोती, पैंट शर्ट, लहंगा चुन्नी बच्चों के कपड़े उठा ले गये। सुबह साढे आठ बजे बाजार आये एक लडके ने गांव में जाकर दुकानदार को बताया कि तुम्हारी दुकान टूटी है। इसके बाद हडकंप मच गया, सैकडों की तादाद में लोग इकट्ठा हो गये, पूर्व में तीन दुकानों में हो चुकी हैं चोरियां। गोंडा बाजार के अजीत कुमार गोस्वामी, मनीष गोस्वामी, जगराम यादव की दुकान का ताला तोडकर, एक सेंघ काटकर चोर माल उठा ले गये। पुलिस की सूचना दी गई। इनमें एक व्यापारी ने नामजद तहरीर दे दिया, पुलिस ने दौडभाग किया और मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया। नतीजा माल तो नहीं मिला लेकिन दुश्मनी मुफ्त में मिल गयी। यहां पर बडे साहब कभी नहीं आते। इतना ही नहीं एक बैंक प्रबंधक को गाली मिलने की वीडियों एएसपी व एसओ को भेजा गया लेकिन पुलिस ने 151 तक नहीं किया है।

ग्राम पंचायत विरेपुर क्षेत्र के वीरेपुर हाईवे से बाबा कुटी तक लगभग २ किलोमीटर सड़क मार्ग गड्ढा युक्त

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। ग्राम पंचायत विरेपुर क्षेत्र के मुख्य मार्ग अर्थात वीरेपुर हाईवे से बाबा कुटी तक लगभग 2 किलोमीटर की दूरी बिल्कुल गड्ढा

युक्त है जबकि किसान भाइयों का इस समय गन्ना के विक्रय करने का मौसम चल रहा है रास्ता ठीक ना होने की वजह से कई बार गन्ने से लदी ट्राली पलटी जाती है जिससे किसान भाइयों को अपना व्यवसाय करने में बहुत ही कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है इस तरह किसान भाइयों की परेशानी को मद्दे नजर रखते हुए इस रास्ते को बनवाया जाए जिससे किसान भाइयों को आने जाने में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। जबकि इस मार्ग से कई ग्राम सभा के लोगों का आना जाना है प्रतिदिन लगभग 3 से 5000 आदमी लोगों का इस मार्ग से आना जाना होता है मार्ग अत्यधिक गड्ढा युक्त होने से आने जाने वाले राहगीरों को बहुत होती है परेशानी परंतु क्या करें इसके बारे में ग्राम सभा वीरेपुर के प्रधान रघुराज वर्मा कई बार इस मार्ग को बनाने के लिए सांसद ,, विधायक लोगों से बात भी किया।

विधायक से बात भी किया लेकिन किसी प्रकार का कोई रिस्पांस नहीं मिला लोगों को आश्वासन देकर के संतुष्टि प्रदान की जबकि मार्ग में आए दिन दो पहिया,चार पहिए में एक्सीडेंट होता रहता है जिससे राहगीरों को कठिन समस्याओं से गुजरना पड़ता है। जबकि बीजेपी शासन वर्तमान में है मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश माननीय योगी जी ने कहा था कि उत्तर प्रदेश को मैं गड्ढा मुक्त कर दूंगा लेकिन यह कोरी पेपर बाजी ही रहा वक्तव्य के रूप में असलियत रूप में मनकापुर ब्लॉक के ग्राम सभा बीरेपुर क्षेत्र मैं जो कि वीरेपुर हाईवे से लगभग 2 किलोमीटर रास्ता जो कि बाबा कुटी तक जाता है इस मार्ग से पास पड़ोस के ग्रामसभा जैसे हरना टायर महेवा गोपाल आदि कई ग्राम सभाओं के लोग इसी मार्ग से दो पहिया,चार पहिया वाहनों से गुजरते हैं और बहुत से लोग साइकिल व पैदल से भी जाते हैं,इस मार्ग का निर्माण कार्य बहुत ही अति आवश्यक है क्योंकि यह रास्ता कई ग्राम सभाओं को जोड़ता है इसलिए शासन प्रशासन को इस मार्ग को पुनः जीर्णोद्धार के रूप में सुविधा मुहैया कराना चाहिए जिससे यहां क्षेत्रीय लोग जो कि इस मार्ग से प्रतिदिन गुजरते हैं। यह मार्ग वीरेपुर होते हुए हरना टायर, वजीरगंज के मार्ग को यह जोड़ता है इसलिए इस मार्ग का निर्माण कार्य अति आवश्यक है।

आप लोगों को बताते चलें कि ग्राम प्रधान बीरेपुर के प्रधान रघुराज वर्मा ने बताया कि यह रास्ता कई ग्राम सभाओं को जोड़ता है प्रतिदिन हजारों राहगीर लोग इस मार्ग से पैदल वा दो पहिया व चार पहिया वाहनों से गुजरते हैं मार्ग टूटा फूटा होने से लोगों को आने जाने में बहुत ही परेशानी होती है। इसलिए शासन सत्ता से अनुरोध है कि इस मार्ग को पुनः बनवाया जाए जिससे आने जाने वाले किसान भाइयों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो।

पुलिस अधीक्षक गोंडा का अपराधियों के खिलाफ निरंतर अभियान जारी, थाना परसपुर पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त को किया गया जिलाबदर

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा ने अशांति फैलाने वाले असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर इनके विरुद्ध व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर कड़ी कार्यवाही करने के सभी

प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए थे। इसी निर्देश के क्रम में थाना परसपुर पुलिस ने ऐसे ही एक असामाजिक तत्व शिवनाथ पुत्र रामचंद्र निवासी नउअनपुरवा मौजा बहुवन मदार मांझा थाना परसपुर जनपद गोण्डा को गुंडा अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर घोषित कराकर डुग डुगी पिटवाकर मुनादी कराते हुए जनपद की सीमा से बाहर कर दिया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में समस्त थानों द्वारा ऐसे ही अन्य असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर इनके विरुद्ध गुंडा एक्ट की कार्यवाही करते हुए जिलाबदर कराने की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

सालपुर बाजार में रविवार देर शाम पुलिस ने किया पैदल गस्त

लोगों को नाइट कर्फ्यू का पालन करने का दिया सख्त निर्देश

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। पुलिस ने किया पैदल गस्त लोगों को किया जागरूक बताते चलें देहात

कोतवाली गोंडा के अंतर्गत आने वाले पुलिस चौकी सालपुर बाजार में पुलिस ने मय फोर्स के साथ पैदल गश्त किया। पैदल गश्त में देहात कोतवाली गोंडा प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पाठक व पुलिस चौकी सालपुर के चौकी प्रभारी विनय कुमार पांडे मय फोर्स के साथ सालपुर बाजार में पैदल गश्त के दौरान लोगों को जागरूक किया। पुलिस चौकी सालपुर चौकी प्रभारी विनय कुमार पांडे ने बताया कि कोरोना महामारी बीमारी को देखते हुए शासन के निर्देशानुसार क्षेत्र के लोगों को नाइट कर्फ्यू का पालन करने मास्क लगाने व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए जागरूक किया गया है और लोगों को बताया गया है कि कानून का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी सभी लोग नाइट नाइट कर्फ्यू का पालन करें मार्क्स लगाएं और एक दूसरे से दूरी बनाए रखें सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें जिससे खुद सुरक्षित रहें और दूसरे लोग भी सुरक्षित रहें इस मौके पर पैदल गश्त के दौरान देहात कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पाठक पुलिस चौकी सालपुर चौकी प्रभारी विनय कुमार पांडे सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

करणी सेना की बैठक पूर्व ब्लाक प्रमुख द्वारा आयोजित की गई थी

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। जिला अध्यक्ष करणी सेना भारत कुमार की बैठक अमरीश सिंह और जिला अध्यक्ष जनसत्ता दल लोकतांत्रिक संजय सिंह पूर्व ब्लॉक प्रमुख ने की जिसमें करणी सेना के जिला अध्यक्ष द्वारा सम्मान किया गया, करणी सेना ने भारत जनसत्ता दल के जिला अध्यक्ष का पूरा समर्थन किया।

प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक शाखा मोतीगंज के किसानों का नहीं बन पा रहा है नया किसान क्रेडिट कार्ड

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। इस समय लगभग 2 वर्षों से किसानों को नया किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए बैंक का लगाना पड़ रहा है। चक्करआपको बताते चलें कि मोतीगंज बाजार में मात्र एक प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक है जिसमें लगभग 2 वर्षों से किसानों का नया किसान क्रेडिट कार्ड नहीं बनाया जा रहा है और किसान बैंक का चक्कर

काट रहे हैं कुछ किसानों ने बताया कि बैंक पर जाने पर बैंक में मौजूद मैनेजर फील्ड अफसर द्वारा यह बताया जा रहा है की हेड ऑफिस से लिखित आदेश आया है कि कोई भी नया किसान क्रेडिट कार्ड नहीं बनाया जाएगा वही बैंक कर्मियों द्वारा यह बताया जा रहा है कि जिन किसानों का पुराना किसान क्रेडिट कार्ड बना हुआ था और समय सीमा समाप्त हो गई है वह किसान अपना पुराना किसान क्रेडिट कार्ड में बकाया राशि जमा कर नया किसान क्रेडिट कार्ड बनवा सकते हैं। और जिन लोगों का अभी तक किसान क्रेडिट कार्ड से बैंक में नहीं बना है उनका किसान क्रेडिट कार्ड जब तक हेड ऑफिस से आदेश नहीं आ जाएगा तब तक नहीं बन पाएगा नया किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने के लिए किसान काफी परेशान हैं क्योंकि यह क्षेत्र पिछड़ा क्षेत्र है और लोग खेती के लिए बैंकों से किसान क्रेडिट बनवा कर खेती करते हैं लेकिन नया किसान क्रेडिट कार्ड न बनने से क्षेत्र के दर्जनों किसान काफी परेशान है।

चुनावी योजनाओं की तैयारी पूरी राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। भारतीय जनता पार्टी अनुषांगिक संगठन के प्रदेश कार्यालय में एक बैठक हुई बैठक की अध्यक्षता कर रहे संगठन के राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक जी ने बताया की कार्यकर्ता का उत्थान एवं सम्मान हमारा परम

धर्म है इसी क्रम में बैठक के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए संगठन के महामंत्री मनीष मिश्र ने बताया की आगामी चुनाव की तैयारियां पूरी तरह कर ली गई है जिससे प्रत्येक बूथ पर कैसे उसका चिंतन किया जाए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह ने बैठक में प्रस्ताव रखा कि उत्तर प्रदेश के कई सामाजिक एवं समाजसेवी संगठन से संकलन बनाकर पार्टी में समर्थन के लिए तैयार किया गया है। जिस के सहयोग से हम उत्तर प्रदेश के समस्त बूथों पर विजय प्राप्त कर सकते हैंस प्रत्येक बूथ के जीतने की योजनाओं पर चर्चा करते हुए भारतीय खाद्य निगम मजदूर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञान प्रसाद गुप्ता ने बताया कि जिस प्रकार पूरे प्रदेश में कर्मचारियों एवं कामगारों के बीच में योजनाओं पर चर्चा हो रही है निश्चित रूप से हम अपने संगठन के माध्यम से प्रत्येक बूथ जीतने का कार्य करेंगे बैठक में मुख्य रूप से यूनियन के उपाध्यक्ष विजय मिश्रा, महामंत्री बृजेश नारायण पांडे, जिला अध्यक्ष जगतपाल वर्मा, सहायक रविंद्र मिश्रा सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

4 वर्ष के भटके बच्चे का पुलिस बनी सहारा, बच्चे को परिजनो से मिलाया, परिजनो में खुशी की लहर

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। दिनांक 02.12.2022 को पीआर वी 0855 को इवेन्ट द्वारा सूचना प्राप्त हुई की एक 04 वर्षिय बच्चा अपने घर से भटक कर पांडेयपुरवा आ गया है और काफी परेशान है। इस सूचना पर च्ट प्रभारी राम सुमंत प्रसाद, का0 बालजीत यादव , हो0गा0चालक आलोक तिवारी तत्काल मौके पर पहुँचे तथा अपने घर से रास्ता भटक कर रोते बिलखते बच्चे को शांत कराया तथा उसके बारे आस पास के लोगो से पूछताछ कि गयी तो उसकी पहचान फैजान पुत्र सलीम निवासी ग्राम दर्जी पुरवा थाना को0 देहात जनपद गोंडा हुई। बच्चे के परिजन से संपर्क कर उन्हे बच्चे के बारे में बताया गया। तथा पीआरवी कर्मीयों द्वारा बच्चे को सकुशल ले जाकर उसके पिता व बुआ को सुपुर्द किया गया। PRV कर्मियों की तत्परता से भटका हुआ मासूम अपने परिवार वालों के पास पहुंच गया जिससे मासूम व परिजन का चेहरा खिल उठा। परिजन ने गोंडा पुलिस को धन्यवाद दिया। जिसकी आमजनमानस में सराहना की जा रही है ।

बीजेपी की जन विश्वास यात्रा में पहुंची बुर्के वाली महिलाएं, स्मृति ईरानी का मुस्लिम महिलाओं ने किया स्वागत

अमेठी (वेब वार्ता)। बीजेपी की जन विश्वास यात्रा सोमवार को अमेठी में निकाली गई। अमेठी, जामो, गौरीगंज होते हुए यात्रा जगदीशपुर पहुंची। जगह–जगह लोगों ने बड़ी संख्या में यात्रा का फूलों की वर्षा करके स्वागत किया। यात्रा में केंद्रीय मंत्री व सांसद स्मृति ईरानी, अमेठी के प्रभारी मंत्री मोहसिन रजा समेत दिग्गज भाजपा नेता शामिल थे। इस बीच मुस्लिम महिलाओं ने भी बुर्का पहनकर बीजेपी की यात्रा का फूलों की वर्षा करके स्वागत किया जो चर्चा का विषय बन गया। बड़ा सवाल यह है कि बीजेपी इससे केवल सुर्खियां ही बटोरेगी या यह वोट में भी बदलेगा। जन विश्वास यात्रा सोमवार की सुबह अमेठी से निकलकर मुंशीगंज होते हुए गौरीगंज के रास्ते जगदीशपुर जायस मार्ग पर स्थित मुबारकपुर पहुंची। यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व केंद्रीय मंत्री व सांसद स्मृति इरानी यात्रा के स्वागत कयिा। इसके साथ ही तिलोई में बनने वाले मेडिकल कॉलेज का भूमि पूजन भी किया। कार्यक्रम में 200 बेड के जिला रेफरल अस्पताल के शुभारम्भ भी किया गया है। योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक अमला तैयारियों में पूरे दिन जुटा रहा। केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी के प्रतिनिधि I विजय गुप्ता ने बताया कि 292 करोड़ की लागत से मेडिकल कालेज का निर्माण होगा और 86 करोड़ की लागत से 200 बेड का रेफरल अस्पताल बना है।

पत्रकार सुरक्षा महासमिति के प्रदेश उपाध्यक्ष गुड्डू मिश्रा के कर कमलों द्वारा किया गया उद्घाटन

अवध की आवाज ब्यूरो

कानपुर। हर्ष नगर कानपुर में जनसंदेश टाइम्स कार्यालय का उद्घाटन करने मुख्य अतिथि के रूप में पत्रकार सुरक्षा महा समिति के उपाध्यक्ष गुड्डू मिश्रा व अवध की आवाज के कानपुर मंडल प्रभारी स्वरूप नगर ऐसो अजय कुमार सिंह के कर कमलों द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन व पत्रकार सुरक्षा महा समिति के कोषाध्यक्ष शशिकांत गुप्ता जी अवध की आवाज के मुख्य संवाददाता कुलदीप सिंह अवध की आवाज के संवाददाता मनोज गुप्ता जी कार्यालय का उद्घाटन करने के तत्य पश्चात जनसंदेश टाइम्स के सोनू इब्राहिम ब्यूरो हेड कानपुर को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

महिला थाना पर परिवार परामर्श केंद्र का हुआ आयोजन

अवध की आवाज ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। बृजेश पाण्डेय महिला थाना पर परिवार परामर्श केंद्रध्नई– किरण का आयोजन कर जनपद सिद्धार्थनगर पुलिस द्वारा 02 परिवारों को बिखरने से बचाया गया। डॉ0 यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के निर्देश पर आज दिनांक 03–01–2022 को महिला थाना सिद्धार्थनगर पर परिवार परामर्श केंद्रध्नई किरण का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कुल 04 पत्रावली विचारार्थ प्रस्तुत हुई । जिसमें 02 पत्रावली में दोनों पक्ष उपस्थित हुए दोनों पक्षों मे वार्ता किया गया और अग्रिम तारीख दिया गया है, और 02 पत्रावली में दोनों पक्ष उपस्थित हुए जिसमें परामर्श के बाद 02 पत्रावली का सफल निस्तारण संभव हुआ। 02 परिवार को बिखरने से बचाने में मीरा चौहान, थानाध्यक्ष, महिला थाना, ₹ सविता सिंह, महिला आरक्षी ब्यूटी गिरी , महिला आरक्षी निधि सिंह व महिला आरक्षी शिवानी राजभर का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

निस्तारित पत्रावली का विवरण

1. सायरा पत्नी अकबर अली साकिन बर्डपुर नं0 –07 थाना मोहाना जनपद सिद्धार्थनगर । 2. बवुने पुत्र परमेश्वर साकिन माहनगा थाना व जनपद सिद्धार्थनगर।

आगरा में विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला की मौत, 81 दिनों से दे रही थी धरना

आगरा (वेब वार्ता)। दो महीने पहले से धरना दे रही महिला रानी देवी की रविवार को धरना स्थल पर मौत हो गई। महिला उत्तर प्रदेश के आगरा के ध ानोली, अजीजपुरा और सिरोली गांवों में सड़क और जल निकासी की उचित व्यवस्था की मांग को लेकर 81 दिनों से ध ारना दे रही थी।रविवार को रानी देवी की मौत हो गई। रानी के बगल में सो रही एक अन्य महिला को बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।स्थानीय लोग पिछले 81 दिनों से इलाके में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने जिला मुख्यालय में नारे लगाए, प्रदर्शन कर रहे लोग इस दौरान भूख हड़ताल पर चले गए और आगामी विध ानसभा चुनावों के बहिष्कार के लिए पोस्टर भी लगाए। उनमें से कुछ लोगों ने अपने घरों की दीवारों पर बिक्री के लिए बैनर भी चस्पा कर दिए हैं।48 वर्षीय रानी मालपुरा थाना क्षेत्र के विकास नगर की रहने वाली थी। वह 13 अक्टूबर से सिरोली–धनोली रोड विरोध स्थल पर नियमित रूप से विरोध ा प्रदर्शन कर रही थी। वह अपने 22 वर्षीय बेटे नीरज के साथ साइट के पास एक किराए के घर में रह रही थी।मजदूर नीरज ने कहा, मैं अपनी मां को रात में धरना स्थल पर न जाने के लिए कहता था लेकिन वह नहीं मानती थी। वह शनिवार को वहीं सो गई थी। जब मैं रविवार सुबह उन्हें चाय देने गया तो वह नहीं उठ रहीं थी। उनका शरीर ठंडा और कड़ा पड़ गया था। हमने एक डॉक्टर को बुलाया जिसने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी मौत के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से जिम्मेदार है। विरोध स्थल पर रानी की मौत की पुष्टि करते हुए, एसडीएम लक्ष्मी एन ने कहा, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। हम परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से कुछ आर्थिक सहायता और अन्य सरकारी योजनाओं के तहत लाभ देने का प्रयास करेंगे। इस बीच बेहोश हुई दूसरी महिला 85 वर्षीय कीर्ति देवी है। पांच दिसंबर को कीर्ति ने चौधरी प्रेम सिंह नाम के एक व्यक्ति के साथ धरना स्थल के पास जमीन खोदी थी और वहां धरना दिया था। विरोध प्रदर्शन का नेतश्त्व कर रही सामाजिक कार्यकर्ता सावित्री चाहर ने कहा, पिछले तीन वर्षो में, हमने स्वच्छता और स्वच्छता की कमी, जलभराव, खराब सड़क और जल निकासी जैसे मुद्दों को उठाया है। हमने पिछले साल इन मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन किया था। साथ ही, जिसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने हमें बताया कि वे जलभराव की समस्या का समाधान करेंगे, लेकिन अभी तक कुछ भी नहीं किया गया है। जिलाधिकारी प्रभु एन. सिंह ने कहा, धनोली और आसपास के क्षेत्रों के लिए 43 करोड़ रुपये के विकास कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। स्थानीय लोगों की मांग पर सड़कों का निर्माण शुरू किया गया। स्थायी जल निकासी व्यवस्था विकसित करने के लिए। मृतक महिला के परिवार को उपयुक्त सहायता प्रदान की जाएगी।

भारतीय रिजर्व बैंक के चेस्ट में 47,710 रुपये अंकित मूल्य वाली नकली भारतीय मुद्रा

लखनऊ (वेब वार्ता)। लखनऊ में एक ऑडिट के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के चेस्ट में 47,710 रुपये अंकित मूल्य वाली नकली भारतीय मुद्रा मिली है। आरबीआई के सहायक प्रबंधक सत्यवीर सिंह ने नोटों की जांच के दौरान 454 जाली नोट बरामद होने का मामला महानगर पुलिस में दर्ज कराया है। उन्होंने प्राथमिकी में कहा, इन नकली नोटों में 10 रुपए का नोट भी शामिल हैं, इसके अलावा, 50 रुपए के 18 नोट, 100 रुपए के 443 नोट, 500 रुपए और 2,000 रुपए के एक–एक नोट शामिल थे। सिंह ने अधिकारियों को चेक करने और आरबीआई को नोट वापस करने से पहले कानूनी कार्रवाई करने के लिए लिखा। उन्होंने कहा कि जाली नोटों का प्रचलन/मुद्रण एक गंभीर अपराध है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच के दौरान नकली नोट करेंसी प्रिंटिंग प्रेस या फॉरेंसिक लैब को भेज सकती है। पिछले साल आरबीआई द्वारा चेकिंग के दौरान अप्रैल–मई में 20 रुपये और 100 रुपये मूल्यवर्ग के 44 नकली नोट पाए गए थे। 2020 में, भारतीय रिजर्व बैंक ने एक प्राथमिकी दर्ज की थी जिसमें कहा गया था कि अक्टूबर 2017 और मार्च 2018 के बीच विभिन्न राज्य बैंकों द्वारा जमा किए गए बैंक चेस्ट में 1.5 करोड़ रुपये डेमोनिटाइस्ड करेंसी के रूप में पाए गए थे।

यूपी में 2,150 केंद्रों पर आज से हो रहा किशोरों का टीकाकरण

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में सोमवार से राज्य भर के 2,150 केंद्रों पर 15 से 18 आयु वर्ग के किशोरों के लिए कोविड टीकाकरण शुरू हो गया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार की सुबह लखनऊ के सिविल अस्पताल में टीकाकरण अभियान का जायजा लिया और वैक्सीन के लिए कतार में लगे किशोरों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार तीसरी लहर से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि ओमिक्रॉन तुलनात्मक रूप से कम घातक है। आधि ाकारिक सूत्रों ने कहा कि लखनऊ में 3.2 लाख सहित उत्तर प्रदेश में 1.4 करोड़ पात्र किशोर हैं जिन्हें कोविड वैक्सीन की खुराक मिल सकती है। लखनऊ में टीकाकरण प्रभारी डॉ एम.के. सिंह ने कहा कि 40 सरकारी केंद्र किशोरों को टीका लगाएंगे। उन्होंने कहा, बड़ी संख्या में किशोरों ने अपना पंजीकरण करा लिया है और स्लॉट बुक करा लिए हैं। ऐसा करने में असमर्थ लोगों के लिए स्पॉट पंजीकरण की सुविधा प्रदान की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक गोण्डा ने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ की गोष्ठी, नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए सुरक्षा व अन्य बिंदुओं पर की विस्तृत चर्चा

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। सोमवार को पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा ने व्यापार मंडल के मंडल प्रभारी जगदीश रायतानी व व्यापार मंडल के पदाधि ाकारियों के साथ बैठक की। जिसमे सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक ने सभी पदाधिकारियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उनकी समस्याओं के बारे में जाना। जिसमें कुछ पदाधिकारियों द्वारा शहर क्षेत्र के अंदर कुछ स्थानों पर जाम की स्थिति से निपटने के लिए ट्रैफिक व्यवस्था को और सुदृढ़ करने का सुझाव दिया जिस पर पुलिस अध ाीक्षक ने तत्काल संबंधित को

कार्यवाही करने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक ने सभी पदाधि ाकारियों को कोविड–19 गाइडलाइन का पालन करने तथा मास्क नहीं तो सामान नहीं का स्लोगन सभी को अपनी–अपनी दुकानों में चस्पा करने, नाइट कर्फ्यू का पालन करने व कराने का भी निर्देश समस्त व्यापार मंडल के पदाधिकारियों को दिया। इस गोष्ठी में पु0अ0 के रीडर व जनसंपर्क अधिकारी तथा जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए व्यापार मंडल के पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

18 पौवा अवैध देशी शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज

आसीवन,उन्नाव। पुलिस अधीक्षक महोदय के कुशल कुशल पर्यवेक्षण में अवैध शराब के विरुद्ध चलाये

जा रहे अभियान के क्रम में थाना आसीवन पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को 18 पौवा अवैध देशी शराब बरामद कर गिरफ्तार किया गया। उ0 नि0 कमल किशोर दुबे मय हमराह फोर्स द्वारा अभियुक्त आमीन पुत्र स्व0 बाबूशाह नि0 ग्राम पुरबिया टोला थाना बांगरमऊ जनपद उन्नाव को कब्जे से 18 पौवा अवैध देशी शराब दीवाना ब्राण्ड बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

उत्तर प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण डाक्टर शुचिता चतुर्वेदी ने वन स्टाप सेंटर का किया निरीक्षण

अवध की आवाज

सिद्धार्थनगर। उतर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी द्वारा जिला सदस्य उतर प्रदेश राज्य बाल अधि ाकार संरक्षण आयोग, डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी ने संबधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि साफ–सफाई

अस्पताल स्थित पीकू वार्ड, एन.आ. सी. तथा वन स्टाप सेन्टर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मा0 सदस्य उतर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी द्वारा एन0आर0सी0 कक्ष तथा एन0आई0सी0यू0 वार्ड का निरीक्षण का किया गया। मा0 व्यवस्था ठीक रखे तथा बच्चो को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। निरीक्षण की दौरान मा0 सदस्य उतर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी के साथ जिला प्रोवेशन अधिकारी विनोद राय तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

विकास कार्यों की प्रगति समीक्षा बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे हुआ. सम्पन्न

अवध की अवावज

सिद्धार्थनगर। विकास कार्यो की प्रगति समीक्षा बैठक जिलाधि ाकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी पुलकित गर्ग, अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी दीपक मीणा ने सभी कार्यालयाध्यक्षो को बकाया विद्युत बिल जमा करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को पेंशन का सत्यापन कराकर भुगतान कराने छात्रवृत्ति का फार्म भरवाने का निर्देश दिया गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को पशुओ का टीकारण कराकर फीडिंग कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने नोडल अधि ाकारियों द्वारा निरीक्षण करने तथा निर्माणाधीन गौशाला को शीघ्र पूर्ण कराकर गौवंश रखने का निर्देश दिया। ए0आर0 कोआपरेटिव को क्षेत्र में भ्रमण

करके खाद वितरण कराने का निर्देश दिया जिससे किसानो को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि कोविड–19 की तीसरी लहर को देखते हुए सभी तैयारियां पूर्ण कर ले। जिलाधि ाकारी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा की गयी। कोटे की रिक्त दुकानो को आवश्यक कार्यवाही करते हुए संचालित कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियो को निर्देश दिया कि सभी लोग क्षेत्र में जाए और निरीक्षण रिपोर्ट बनाकर प्रेषित करे। इसके अलावा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (राष्ट्रीय अन्धता निवारण कार्यक्रम), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (बाल स्वास्थ्य गारन्टी योजना), महिला नसबन्दी, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (जननी सुरक्षा योजना), तथा अन्य विभागों के प्रगति की समीक्षा की गयी।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।